प्रथम प्री बोर्ड कक्षा 10
सत्र - 2020-21

उ० (1) उ० (क) (iv) इनमे से कोई नही
उ० (ख) (i) अज्ञान के अंधकार से निकलकर ज्ञान के प्रकाश की ओर
उ० (ग) (ii) पतन को
उ० (घ) (iii) नीतियों से परिपूर्ण
उ० (ङ) (iv) भारतीय एवं पश्चात शिक्षा पद्धति

उ० (2) उ० (क) (i) संघर्ष को
उ० (ख) (ii) जिसने संघर्ष नही किया वह मृत हुआ
उ० (ग) → अपनी कमियो के विरुद्ध संघर्ष करना
उ० (घ) (iv) दुःख और सुख
उ० (ङ) (iv) 'कुसुम' शब्द का पर्यायवाची शब्द है प्रसून

उ० (3) उ० (क) (iii) संयुक्त वाक्य
उ० (ख) → (iii) यदि बोलना नही आता तो चुप रहिएँ
उ० (ग) → (ii) वह बाजार जाकर केले लाया।
उ० (घ) → (i) विशेषण उपवाक्य

उ० (4) (क) → कर्तृवाच्य
(ख) → (ii) लड़की से रातभर सोया न जा सका
(ग) → (i) वह खाना खाती है।

REDMI NOTE 8 PRO

घ → भाववाच्य

उ० (5) क → (ii) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण
ख → (i) विशेषण गुणवाचक पुल्लिंग एकवचन
ग → (i) क्रिया सकर्मक एक पुल्लिंग भूतकाल
घ → (ii) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग एकवचन, कर्ताकारक

उ० (6) क → (ii) निर्वेद
ख → (i) आलम्बन और उद्दीपन
ग → (ii) अद्भुत रस
घ → (iii) भयानक रस

उ० (7) 1 - 2 उदास शांत संगीत सुनने जैसा
2 - 3 एक साहित्यिक संस्था
3 - 1 बेबाक रामसे और सुझाव देते थे।
4 - 4 अपना बच्चा और फादर कामिले बल्के का उसके सूट में अत्र डालना
5 - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

उ० (8) 1 - 2 एक चश्मेवाला
2 - 4 पतनशील सामंती वर्ग की बनावटी जीवनशैली

(9) 1 - 1 माँ का
2 - 4 उपरोक्त सभी

3 - 1 भोली और भोली और सरल
4 - 2 लड़की को सामाजिक कठिनाइयों की जानकारी नहीं थी।
5 - 2 ऋतुराज

उ० (10) 1 - 3 राम ने परशुराम से कहा
2 फागुन का

उ०-(11) (1) बच्चों द्वारा नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाना इस बात की ओर संकेत करता है कि नई पीढ़ी के बच्चों में भी देशभक्ति की भावना विद्यमान है, उन्हें अपने महापुरुषों के प्रति अपार श्रद्धा तथा सम्मान देने की बलवती इच्छा है। आदि

(2) बालगोबिन भगत की पतोहू उनको छोड़कर जाना नहीं चाहती थी क्योंकि वह जानती थी कि-
बीमार पड़े तो कौन सहारा देगा?, बुढ़ापे में भगत को कौन भोजन कराएगा?, पुत्र की मृत्यु होने से घर में अकेले कैसे रहेंगे?, बीमार पड़ने पर कौन पानी देगा? आदि।

(3) नवाब साहब लेखक को सेकेंड क्लास के डिब्बे में आया हुआ देखकर प्रसन्न नहीं हुए बल्कि उनमें असंतोष का भाव दा गया। उन्हें एकान्त वास में बाधा का अनुभव होने लगा, वह अनमने होकर खिड़की से बाहर झाँकते रहे, नाटकीय प्रदर्शन करते रहे। आदि

(4) फादर बुल्के का हिन्दी में एम.ए. करना, बाइबिल का हिन्दी में अनुवाद करना, हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने के लिए सदैव चिन्तित रहना, अपना शोध प्रबन्ध 'रामकथा उत्पत्ति और विकास' हिन्दी में पूर्ण करना। आदि

उ० (12) (1) गोपियाँ उद्धव को व्यंग्य करती हैं कि तुम्हारे भाग्य की यह कैसी विडम्बना है कि श्रीकृष्ण के निकट रहते हुए भी प्रेम से वंचित रहे। श्रीकृष्ण के निकट रहकर भी उनसे अनुराग नहीं हुआ, वह तुम जैसा ही भाग्यवान हो सकता है। नहीं तो कौन ऐसा निष्ठुर पाषाण हृदय होगा, जिसके मन में कृष्ण के पास रहकर भी अनुराग उत्पन्न न हो। इस प्रकार गोपियाँ उनको भाग्यवान कहकर यही व्यंग्य करती हैं कि तुमसे बढ़कर दुर्भाग्य और किसका हो सकता है।

(2) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की विशेषताएँ बताई है-
वीर योद्धा रणक्षेत्र में शत्रु के समक्ष पराक्रम दिखाते हैं, शत्रु के समक्ष अपनी वीरता का बखान नहीं करते हैं, वे शान्त, विनम्र तथा धैर्यवान होते हैं, क्षोभरहित होते हैं। आदि

(3) कवि ने 'नवजीवन वाले' बादलों के लिए प्रयोग किया है क्योंकि बादलों की विशेषता है कि तप्त धरती के ताप को शांत कर प्रकृति को नया जीवन देते हैं। प्रकृति की प्रफुल्लता के साथ पशु-पक्षी, मानवों में नवीन उत्साह का संचार होता है अत: नवजीवन वाला कहना सुविधा उपयुक्त है। कवि भी बादलों से गरजने की अपेक्षा करते हुए स्वयं भी निराशा में आशा का संचार बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

उ०-(13) 1- भोलानाथ का अधिकांश समय पिता के सामीप्य में बीतता है। उनका सम्बन्ध व्यक्ति और छाया सदृश है। माँ के साथ उसका सम्बन्ध दूध पीने तक का रह गया है। जब साँप से भोलानाथ डर जाता है तो प्रथम हुक्का गुड़गुड़ाता पिता को देखकर भी वह माता की शरण में जाता है और अद्भुत रक्षा तथा शान्ति का अनुभव करता है। यहाँ अधिकांश समय पिता के साथ व्यतीत करने वाला भोलानाथ पिता को अनदेखा कर देता है। इस आधार पर 'माता का आँचल' शीर्षक सार्थक सिद्ध होता है।

② प्रकृति के द्वारा जल संचय की व्यवस्था हिम शिखरों के रूप में अद्भुत ढंग से की है। प्रकृति सर्दियों में बर्फ के रूप में जल संग्रह कर लेती है और गर्मियों में जब पानी के लिए त्राहि-त्राहि मचती है तो बर्फ शिलाएँ पिघल कर जलधारा बन हमारे कण्ठों को तरावट पहुँचाती हैं। यही हिम शिखर पिघल कर जल धारा (नदियों) द्वारा कृषि की, लोगों की और धरती की प्यास बुझाते हैं।

उ०-(14) प्रारूप 2
विषय वस्तु 2
वर्तनीगत शुद्धता 1

उ०-(15) प्रारूप 2
विषय वस्तु 2
शुद्धता 1

उ०-(16) प्रारूप 2
अभिव्यक्ति 2
भाषा की शुद्धता 1

उ०-(17) प्रारूप 2
अभिव्यक्ति 2
भाषागत शुद्धता 1